

उत्तराखण्ड का 23वाँ स्थापना दविस

चर्चा में क्यों?

9 नवंबर, 2022 को उत्तराखण्ड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में उत्तराखण्ड का 23वाँ स्थापना दविस मनाया गया।

प्रमुख बदि

- उत्तराखण्ड राज्य के 23वें स्थापना दविस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सहि धामी ने गैरसैण (भराड़ीसैण) को 166 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शलिन्यास कयि।
- उल्लेखनीय है कि एक अलग राज्य के रूप में उत्तराखण्ड 9 नवंबर, 2000 को अस्तित्व में आया। इससे पूर्व यह उत्तर प्रदेश राज्य का एक भाग था। अलग राज्य उत्तराखण्ड की मांग 25 अगस्त, 2000 को उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के पारित होने के साथ पूर्ण हुई। गठन के समय इसका नाम उत्तरांचल रखा गया।
- उत्तरांचल 21 दिसंबर, 2006 को उत्तरांचल (नाम परिवर्तन) अधिनियम, 2006 के पारित होने पर परिवर्तित होकर उत्तराखण्ड हो गया तथा भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 29 दिसंबर, 2006 के अनुसार 1 जनवरी, 2007 से प्रभावी हुआ।
- इसकी सीमा में पश्चिम में हिमाचल प्रदेश, दक्षिण में उत्तर प्रदेश तथा अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ उत्तर पूर्व में हैं, जो नेपाल तथा चीन से मिलती हैं। राज्य में 13 जिले, यथा- देहरादून, हरद्वार, उत्तरकाशी, टहिरि गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल, ऊधमसहि नगर, चंपावत तथा पथौरागढ़ हैं।